सत्रीय कार्य पुस्तिका

कुक्कुट पालन
में प्रमाणपत्र
(जनवरी, २०१९ और जुलाई, २०१९
सत्र के लिए)

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–११००६८

२०१९

कृषि विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	पीएससी में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी २०१९ सत्र	जुलाई **२०१९** सत्र
ओएलपी 001	28 फरवरी 2019	31 अगस्त 2019
ओएलपीआई 001	13 मार्च 2019	15 सितम्बर 2019
ओएलपीआई 002	27 मार्च 2019	29 सितम्बर 2019

नोट :

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केन्द्र/पीएससी में जमा कराए।
- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे है, उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें, और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र/पीएससी के संयोजक से इसका प्रमाणीकरण करायें।

प्रिय शिक्षाार्थी,

''कुक्कुट पालन में प्रमाण पत्र (सीपीएफ) कार्यक्रम'' में आपका स्वागत है।

आशा है कि आपने सीपीएफ कार्यक्रम मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ लिया होगा। सत्रांत परीक्षा (TEE) की अधिभारिता - 80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। सैद्धांतिक घटक के साथ प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् कार्यक्रम में सम्मिलित पाठ्यक्रमों (ओएलपी 001, ओएलपीआई 001 और ओएलपीआई 002) के लिए तीन सत्रीय कार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होगा। शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि आप सर्वप्रथम अध्ययन सामग्रियों का अध्ययन करें और तत्पश्चात् निर्देशों को ध्यान में रख कर सत्रीय कार्य प्रतिक्रिया तैयार करें। आपकी प्रतिक्रियाएं स्व–अध्ययन उद्देश्यों के लिए प्रदत्त पाठ्यपुस्तक सामग्री/खंडों की ज्यों की त्यों नकल नहीं होनी चाहिए। अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाएं निर्धारित तारीख या इससे पहले तक अपने अध्ययन केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएससी) में जमा करा दें। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केंद्र/पीएससी के परामर्शदाताओं द्वारा किया जायेगा और प्राप्त अंकों की अधिभारिता सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत में जोड़ दी जायेगी। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य पूरा करना होगा। इसलिए अपने सत्रीय कार्यों को सजगता से लें और समय पर जमा करायें।

सामान्य निर्देश

1. यदि आप किसी सामान्य निर्देश सत्र की देय तारीख से पहले सत्रीय कार्य जमा नहीं करा पाते तो आपको आगामी सत्रों के सत्रीय कार्य के नये सेट को पूरा करना होगा।
2. अपनी उत्तर पृश्ठिका के पहले पृश्ठ के सबसे ऊपर दाये कोने में अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और प्रेशण की तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर पृश्ठिका के पहले पृश्ठ के बायें कोने में कार्यक्रम, शीर्शक, पाठ्यक्रम शीर्शक, सत्रीय कार्य कोड, अध्ययन केंद्र कोड के स्थान का उल्लेख करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए आपकी उत्तर पृश्ठिका के पहले पृश्ठ के सबसे ऊपर का भाग इस तरह होना चाहिए:

पाठ्यक्रम शीर्शक	नामांकन संख्या .....
कार्यक्रम कोड	नाम .....
अध्ययन केंद्र का कोड	पता .....
(स्थान)	.....
तिथि	.....

नोट : उपर्युक्त फार्मेट का अनुसरण कड़ाई से करें।

4. आपकी उत्तर पृश्ठिका हर नज़रिए से पूरी होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले आपने सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। अधूरे उत्तर खराब अंक देंगे।
5. जहाँ तक संभव हो पाठ्यक्रम सामग्री के प्रासंगिक बिंदुओं का उल्लेख करें और पाठ्य सामग्री की ज्यों की त्यों नकल लिखने की बजाय अपने उत्तर अपने शब्दों में खोल कर लिखें।
6. सत्रीय कार्य करते समय अध्ययन सामग्री की नकल न मारें। देखा गया है कि सत्रीय कार्यों को पूरा करने के लिए अध्ययन सामग्री की नकल मारी जाती है और इसके लिए शून्य अंक मिलेगा।
7. अन्य शिक्षार्थियों की उत्तर पृश्ठिकाओं से नकल न मारें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबद्ध शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्यों को खारिज़ कर दिया जाएगा।
8. अपने उत्तर फुलस्केप साइज़ पेपर पर ही लिखें। सामान्य लेखन पत्र, न अधिक मोटे या पतले, ही कारगर होंगे। सत्रीय कार्य अनिवार्यतया हस्तलिखित ही हों। टंकित सत्रीय कार्य स्वीकार्य नहीं होंगे।
9. प्रत्येक सत्रीय कार्य में बाये और 3 इंच का मार्जन और प्रत्येक उत्तर की समाप्ति के बाद 4 पंक्तियों का फासला देना जरूरी है। प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या साफ तरीके से लिखें। सत्रीय कार्य करते समय, निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
10. आपके अध्ययन केंद्र/पीएससी के संयोजक आपके मूल्यांकित सत्रीय कार्य आपको लौटा देंगे। सत्रीय कार्यों में आपके निश्पादन पर मूल्यांकन की संपूर्ण टिप्पणियाँ वाली मूल्यांकन पृश्ठिका की प्रति भी सम्मिलित होगी। इससे आप भावी सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षाओं को अधिक बेहतर तरीके से करने के योग्य होंगे।
11. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र/पीएससी कार्यक्रम प्रभारी/संयोजक को भेजें।

सत्रीय कार्य करने से पहले निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

कार्यक्रम की सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं!

सुखद अध्ययन!

कार्यक्रम संयोजक (सीपीएफ)

सत्रीय कार्य–1

पाठ्यक्रम कोड : ओ.एल.पी.-001

कुक्कुट पालन का परिचय

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। (5X10=50)

1. निम्नलिखित को एक या दो पंक्तियों में परिभाषित कीजिएः

   क) मिश्रित पालन

   ख) अंडे सेना (Clutch)

   ग) पंख झाड़ने की प्रक्रिया (Moulting)

   घ) जैव सुरक्षा

   च) मुर्गी (Hen)

2. पौल्ट्री (कुक्कुट) को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिए। कुक्कुट पालन के लाभ क्या हैं?

3. ग्रामीण लोगों के लिए आँगन में कुक्कुट पालन, आमदनी का एक सहायक स्रोत है। उचित उदाहरण देकर कथन की पुष्टि कीजिए।

4. मास उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

5. कुक्कुट पालन का ग्रामीण आजीविका सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान है। कथन पर टिप्पणी कीजिए और अपनी राय दीजिए।

6. लेयर और ब्रॉइलर में अंतर स्पष्ट कीजिए। ब्रॉइलर और लेयर चिकन के कुछ उदाहरण दीजिए।

7. पीरू के देह भागों का रेखाचित्र बनाइए और इनके नाम लिखिए।

8. पौल्ट्री में सहवास (मेटिंग) की कौन सी विभिन्न विधियों का चलन है? श्रेष्ठ विधि कौन सी और क्यों है?

9. अंडों से चूज़े निकलने की योग्यता (hatchability) और जीवित रहने की योग्यता (livability) प्रतिशत से आप क्या समझते हैं? हैचरी (कृत्रिम ढंग से अंडे सेने की जगह) के कार्य निष्पादन के मूल्यांकन में यह कैसे उपयोगी होगा? स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित अवधारणाओं के आधार पर चिरस्थायित्व (% अंडा उत्पादन) परिकलित कीजिएः

- यौन परिपक्वता के समय आयु = 175 दिन
- निर्धारण के समय आयु = 362 दिन
- उत्पादित अंडों की संख्या = 139

सत्रीय कार्य– 2

पाठ्यक्रम कोड : ओ.एल.पी.आई.-001

कुक्कुट आवास और प्रबंधन

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। (5X10=50)

1. ब्रॉइलर हाऊस का अनुप्रस्थ परिच्छेदी (cross-section) रेखाचित्र बनाइए। इसके भागों को चिह्नित कीजिए और इसके आयामों को दर्शाइए।

2. पोल्ट्री (कुक्कुट) पालन के केज (पिंजरा) सिस्टम को स्पष्ट कीजिए। हमारे देश में इनका प्रयोग सामान्य तौर पर किस किस्म के पक्षियों के लिए किया जाता है? इसके लाभ एवं दोषों को लिखिए।

3. ब्रूडर को परिभाषित कीजिए। बाजार में उपलब्ध ब्रूडरों के विभिन्न प्रकारों का संक्षेप वर्णन कीजिए।

4. चोंच तुड़ाई (beak trimming) क्या है? यह क्यों किया जाता है? चोंच तुड़ाई से पहले, इस दौरान एवं बाद में कौन–सी सावधानियाँ बरती जानी चाहिए?

5. अंडो के मोमन (candling) को परिभाषित कीजिए। ऐसा क्यों किया जाता है? जीवनक्षम (fertile) एवं जीवनअक्षम (infertile) अंडों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

6. चूज़ों के आगमन के लिए आप घर कैसे तैयार करेंगे, संक्षेप में लिखिए।

7. लिटर को अच्छी स्थिति में रखने के लिए कौन सी सावधानियाँ बरती जानी चाहिए? वर्णन कीजिए।

8. बैकयार्ड एवं फ्री–रेंज फार्मिंग में अंतर स्पष्ट कीजिए। बैकयार्ड पक्षियों के लिए अनुपूरक दाना, जल एवं रैन बसेरा प्रदान करने के महत्व को बताईए।

9. उत्पादन लागत को प्रभावित करने वाले कारकों को स्पष्ट कीजिए। लागत कम करने की विधियों का वर्णन कीजिए।

10. निम्नलिखित अवधारणाओं के आधार पर (टी.ई.एस. और एफ.ई.एस.) उर्वरता %, अंडों से चूज़े निकलने की योग्यता (hatchability) % आकलन कीजिए:

- सेट अंडों की कुल संख्या = 200
- जीवनक्षम (fertile) अंडों की कुल संख्या = 165
- अंडों से निकले चूज़ों (hatched chicks) की संख्या = 142

सत्रीय कार्य–3

पाठ्यक्रम कोड : ओ.एल.पी.आई.-002

कुक्कुट दाने और दाना खिलाना

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। (5X10=50)

1. दाने (feed) में विद्यमान पोषक तत्वों के आधार पर आहार सामग्री (feed stuffs) को विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत कीजिए। हर प्रकार की आहार सामग्री के दो उदाहरण इनमें विद्यमान अपरिष्कृत प्रोटीन एवं ऊर्जा की मात्रा सहित दीजिए।

2. कुक्कुट पक्षियों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिज तत्वों एवं विटामिनों (प्रत्येक के 5) की पहचान कीजिए और कुक्कुट पक्षियों में इनकी कमी के लक्षणों को दर्शाइए।

3. दाना योज्यों (feed additives) को परिभाषित कीजिए। इन्हें कुक्कुटों के आहार मे क्यों मिलाया जाता है?

4. दाना (फीड) परिवर्तन अनुपात और दाना (फीड) सक्षमता अनुपात में अंतर स्पष्ट कीजिए। इनके आकलन का वर्णन कीजिए।

5. दाने (फीड) के पैलेट स्वरुप से आप क्या समझते हैं? इसके लाभों और दोषों को संक्षेप में लिखिए।

6. कुक्कुट को दाना खिलाने की विभिन्न विधियाँ कौन–सी हैं? नियंत्रित दाना खिलाने की विधि के बारे में संक्षेप मे लिखिए। ब्रॉइलरों और लेयरों के लिए कौन सी विधियाँ सामान्यतौर पर प्रचलित हैं?

7. आहार (feed) गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारकों की सूची बनाइए।

8. पक्षियों द्वारा ग्रहण किए जाने वाले आहार पर गर्म मौसम का क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिए।

9. ब्रॉइलर और लेयर के आहार में निम्नलिखित आहार सामग्री के समावेशन के स्तर दीजिएः

   क) फिशमील

   ख) मक्का

   ग) शीरा

   घ) सोयाबीन मील

   च) गेहूँ का चोकर

10. मक्का (सीपी =10%) और मूँगफली की खली (सीपी = 48%) के प्रयोग से 21% अपरिष्कृत (crude) प्रोटीन (सीपी) से बना आहार मिश्रण तैयार किया जाना है। पियसर्न स्केयर विधि के प्रयोग से मक्का और मूँगफली की खली आहार की आवश्यक मात्रा (भागों) को परिकलित कीजिए।